हाँ कवच धारण से मेरी भी जिन्दगी संवरी

एक सही परामर्श से अर्जित की सफलता

आदरणीय गुरुदेव प्रणाम्! मैं यह पत्र बहुत ही श्रद्धा और विश्वास के साथ लिख रहा हूँ। मैं एक स्टूडेन्ट हूँ। मैं कुछ वर्षों से पहले तक निरन्तर प्रयास करने के बावजूद अपने परीक्षा में उत्तीर्ण होने से चूक जाता था। मेरे बड़े भाई साहब आपकी पत्रिका विश्व तंत्र ज्योतिष के नियमित पाठक हैं। मेरे बड़े भाई साहब ने भी जब यह देखा कि मैं निरन्तर परिश्रम करने के बावजूद भी परीक्षाओं में सफल नहीं हो पा रहा हूँ तो उन्होंने पत्रिका में अष्टविनायक कवच के बारे में अध्ययन कर रखा था तो उनको मेरे लिए यह कवच ही सही लगा और उनको इस कवच पर पूरा भरोसा था कि यह कवच ही मुझे जरुर सफलता दिलायेगा। उन्होंने इसके लिए आपके कार्यालय दूरभाष नम्बर पर सम्पर्क किया और उन्होंने मेरी समस्या से अवगत कराया और इसका निदान बताने की सलाह मांगी। उनको सलाह दी गई कि आप अपने भाई के लिए अष्टविनायक कवच बनवाये और उनको धारण करवाये। इस कवच के माध्यम से उसे जरुर सफलता मिलेगी। उन्होंने तुरन्त ही निर्णय लेकर अष्टविनायक कवच बनवाने के लिए आवश्यक जानकारी देकर कवच निर्माण के लिए ऑर्डर कर दिया और उसकी न्यौछावर राशि बैंक एकाउन्ट की डिटेंल लेकर उसमें जमा करा दी। लेकिन मुझे इन चीजों में थोड़ा विश्वास कम था और सोचा कि केवल कवच मात्र धारण करने से सफलता कैसे अर्जित की जा सकती है। इसके लिए मेरे बड़े भाई ने मुझे समझाया और कहा कि यह कवच तुम्हें जरुर सफलता दिलायेगा। मैंने उनकी बातों पर भरोसा कर कवच घर पर आने के बाद पूर्ण आस्था और विश्वास के साथ धारण किया। कवच धारण करने के बाद मुझे बहुत ही आशातीत सफलता मिली। आज मैं पूर्ण विश्वास और श्रद्धा के साथ निर्मित अष्टविनायक कवच के माध्यम से मैंने न ही परीक्षा में सफलता प्राप्त की बल्कि मैंने बहुत ही अच्छी रैंक भी प्राप्त की। यह सब श्रीमालीजी आपके द्वारा बनाये गये कवच के माध्यम से संभव हो पाया। अन्त में गुरुदेव कमल श्रीमालीजी को कोटि-कोटि नमन व धन्यवाद।

अनुराग सक्सैना, (लखनऊ, उ.प्र.)

अक्षय लक्ष्मी कुबेर कलश

आज के युग में प्रत्येक जन की तरह मैं भी लक्ष्मी (रुपये) प्राप्ति के लिए संघर्षरत हूँ। पैसे तो आते है पर खर्चे उससे पहले निकल आते है। अत्यधिक जरुरी चीज को पाने हेतु ऋण आज सबसे आसान उपाय बन गया है। मैं भी उसी भीड़ का हिस्सा हूँ। गुरुदेव कमल श्रीमालीजी एवं विश्व तंत्र ज्योतिष पत्रिका का आभार मैं इसलिए प्रकट कर रहा हूँ कि विगत 3 वर्षो से मैं दीपावली एवं अक्षय तृतीया पर आपके यहां से अक्षय लक्ष्मी कुबेर कलश पैकेट मंगवा रहा हूँ। गुरुदेव आपको यह बताते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है कि उक्त पुजन सामग्री के नियमित उपयोग से माँ लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है एवं रोजमर्रा के संसाधनों की पूर्ति होती रही है। मानव मन है इच्छायें कभी समाप्त नहीं होती इसलिए लक्ष्मीजी की प्राप्ति करने की लालसा भी बनी रहती है। उक्त कलश के प्रयोग से मान-सम्मान, आर्थिक संतुष्टि तो मिल रही है पर सबसे बड़ा बदलाव यह हुआ कि अब थोड़ा ही सही पर धन संचय भी करता हूँ पता नहीं कैसे पर थोड़ा-थोड़ा कर एक सुनियोजित राशी जमा करना शुरु कर दिया है। आप गुरु शिष्यों द्वारा बताया गया यह कलश वाकई मेरी आर्थिक स्थिति

को संतोषप्रद दिशा दे रहा है। मान्यवरों से यही अभिलाषा रखता हूं कि आने वाले समय में आर्थिक समृद्धि हेतु ऐसा ही कोई विशेष कलश का निर्माण करें तो मैं अवश्य उसका लाभ लेना चाहूंगा अन्यथा यह अक्षय लक्ष्मी कुबेर कलश का प्रयोग तो मैं निरन्तर करने ही वाला हूँ। धन्यवाद।

आपका अभिन्न शिष्य : ज्ञानचन्द नानकराम गुलेचा, महोबा।

लक्ष्मी-नारायण मंगल कलश की स्थापना से घर की खुशहाली लौटी

नमस्कार आदरणीय गुरुजी। मेरा नाम सुति वर्मा है। मैं मेरा अनुभव इस पत्र के माध्यम से आप सभी लोगों तक पहुंचाना चाहता हूं। ताकि जो परेशानियों का सामना मेरे परिवार को करना पड़ा उन परेशानीयों का सामना और किसी को ना करना पड़े। बात एक साल पुरानी है। मेरे घर की स्थिति बहुत ज्यादा खराब थी क्योंकि मेरे पापाजी की प्राईवेट जॉब थी और हम दो भाई-बहन की पढ़ाई का खर्चा साथ ही हमारी शादी के लिए बचत करना और हम लोग किराये के मकान में रहते हैं तो उसका भी किराया देना पड़ता था। घर में मम्मी-पापा बहुत ज्यादा परेशान रहते थे। वो हमें कुछ नहीं बताते थे लेकिन एक दिन मैंने मम्मी-पापा की बातें सुनी वो दोनों हमारे लिये बहुत परेशान थे। उन्हें परेशान देखकर मैं भी बहुत परेशान हो गया। मैं अपने मम्मी पापा के लिए कुछ कर नही पा रहा था। उसके बाद मैं भी पार्ट टाइम जॉब शुरु किया लेकिन उससे भी ज्यादा कुछ नहीं हो पाता था। एक दिन मै यू-ट्यूब पर पं.कमल श्रीमालीजी के वीडियो देख रहा था। जिसमें मुझे दीपावली कलश का एक वीडियो दिखा। मैं यह वीडियो देखा जिसमें वे लक्ष्मी-नारायण मंगल कलश के बारे में जानकारी दे रहे थे। वहीं गुरुजी के संस्थान के फोन नम्बर भी दिये जा रहे थे तो मैंने गुरुजी के नम्बर लेकर गुरुजी के संस्थान में फोन किया जहां किसी सज्जन ने फोन उठाया और बहुत विनम्रता से मेरी बात सुनी और मुझे यह दीपावली कलश मंगवाने का सुझाव दिया। मैंने उसी समय लक्ष्मी नारायण मंगल कलश को भेजने का ऑर्डर कर दिया। 7 दिनों बाद मुझे यह कलश अपने घर पर प्राप्त हो गया। मम्मी ने तो एक बार डांटा कि यह कलश क्यों मंगवाया। उसके बाद मैंने उन्हें समझा दिया। हमनें दीपावली के दिन पूरी विधिपूर्वक उस कलश की स्थापना कि और पूरी विधिपूर्वक पूजा की। इस कलश के अन्दर हर वो सामग्री है जो लक्ष्मीजी को प्रिय है। इस कलश की पूजा से लक्ष्मीजी का आगमन होता है। हमने पूरी विधि से इस कलश की रोज पूजा की और पूजा करते हुए हमें अभी 1 महीना ही हुआ था कि मेरे पापा को एक मल्टीनेशनल कम्पनी में जॉब ऑफर हुई। जिसमें पापाजी की पैमेन्ट भी ज्यादा थी। कुछ दिनों बाद मेरी भी जॉब लग गई। अब हमारे घर की सारी परेशानी दुर हो गई। आज पापाजी और मम्मीजी को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं है और यह सब गुरुजी द्वारा बनाये गये "अक्षय लक्ष्मी कुबेर कलश की स्थापना से ही हो पाया है। हमारे घर कि परेशानियां दूर हो गई, इसीलिए मैं आप सब लोगों के साथ मेरा अनुभव बाँटना चाहता था ताकि और किसी को मेरे परिवार की तरह परेशानी नहीं उठानी पड़े। मैं बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ गुरुजी का जिन्होंने इतने अच्छे कलश का निर्माण किया, ताकि हमारी परेशानियां दूर हो सके। मैं और मेरा परिवार गुरुजी के सदैव आभारी रहेंगे और मैं आप सभी लोगों को भी यहीं कहूंगा कि एक बार इस कलश की स्थापना जरुर करें, ताकि आप सभी इस कलश का लाभ उठा सके और अपनी-अपनी परेशानियों से छुटकारा पा सके। धन्यवाद गुरुजी।

सुमित वर्मा, (नागपुर, महाराष्ट्र)

धनकुबेर कवच धारण करने से मिली आर्थिक खुशहाली की राह

परम पूज्य श्रीमालीजी प्रणाम्। मेरा अपना हैण्डीक्राफ्ट का व्यवसाय है। मैं इस व्यवसाय के संबंधित आइटम इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट भी करता हूँ। अभी कुछ समय पहले आई आर्थिक मंदी की वजह से मेरा व्यवसाय निरन्तर मंदा चल रहा था। इस वजह से मैं बहुत परेशान था। मैं अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाना चाहता था। लेकिन कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। एक बार मैंने आपका यू-ट्यूब पर प्रोग्राम देखा। उसमें आप विभिन्न कवच के बारे में बता रहे थे। मैंने कवच की महत्त्वता के बारे में जानकर इसको अपने लिये बनवाने का मानस बनाया और एक उम्मीद की किरण नजर आई कि उचित कवच पहनने से शायद मेरा जीवन सफल हो सकता है। इसके लिये मैंने आपके कार्यालय के नम्बर पर कॉल किया और अपनी समस्या को बताया तो उन्होंने मुझे धनकुबेर कवच धारण करने को बोला और इस कवच के बारे में मुझे जानकारी दी। मैंने सोच-विचार कर वापस फोन करने का बोला। कुछ दिन बाद मैंने कवच बनवाने का मानस बना लिया और विश्व तंत्र ज्योतिष कार्यालय में कॉल कर कवच बनवाने के लिए जो-जो जानकारी मुझसे मांगी गई, मैंने उनको दे दी और कवच बनवाने का ऑर्डर कर दिया। कवच के लिए मुझसे कहा गया कि यह कवच शुभ मुहूर्त्त में बनकर आपके पास आयेगा। कवच की राशि मैंने आपके बैंक खाते में जमा करवा दी। कुछ दिनों बाद कवच मुझे प्राप्त हो गया। कवच के साथ मिले विधि-विधान के अनुसार मैंने कवच को धारण कर लिया। कवच धारण करने के बाद कुछ दिनों तक तो स्थिति ज्यों-कि-त्यों बनी रही। उसके बाद मुझे कवच का कुछ प्रभाव महसूस होने लगा और दिल में शान्ति-सी महसूस हुई और उसी दिन से मेरे व्यवसाय से संबंधित मुझे एक बड़ा ऑर्डर मिला। ऑर्डर मिलने पर मुझे बहुत खुशी हुई। मैं अपने तन-मन से उस ऑर्डर को पूरा करने में लग गया। इसके बाद तो कई पार्टियाँ मुझसे जुड़ गई। सभी की मांग पूरी कर पाना एकदम संभव नहीं था फिर भी मैंने अपने परिश्रम से उनकी मांग को पूरा किया और उनको माल की समय पर डिलीवरी दी। इस वजह से मुझे बहुत ही अच्छा मुनाफा मिला। आज भगवान् की कृपा से मैं विदेश में भी अपना माल इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट कर रहा हूँ इन सभी का श्रेय गुरुदेव पं. कमल श्रीमालीजी को जाता है। उनके द्वारा बनाये गये धनुकुबेर कवच के माध्यम से ही आज यह संभव हो पाया है कि आज मैं उसी वजह से सुखी व सम्पन्न हूँ। गुरुदेव का कोटि-कोटि धन्यवाद।

आदित्य सक्सैना, (कोलकाता, पं.बंगाल)

अच्छे अंक प्राप्त किये माता सरस्वती की कृपा से

पूज्य श्रीमालीजी, नमस्कार! जब से हमारे हाथ यह पत्रिका लगी है कोई भी समस्या ऐसी नहीं जो इसे पढ़कर सुलझाई न जा सके। हर मर्ज की दवा है यह पत्रिका। इस पत्रिका ने कई बार मेरा साथ दिया है। मुसीबतों में हमने पत्रिका का सहारा लेकर ही अपना काम सिद्ध किया हैं मेरा लड़का बचपन से ही पढ़ने में बहुत अच्छा था। उसकी रूचि भी थी पढ़ने में लेकिन बड़ा होने के साथ-साथ वह पढ़ाई की तरफ से भी लापरवाह होने लग गया। शरारती ज्यादा हो गया था। मुझे उसके बदले व्यवहार से डर लगने लगा था। सोचा अगर आगे ऐसा ही चलता रहा तो शायद इसका भविष्य ही खराब हो जाये। उस समय मुझे इसको सही ढंग से सुधारने के लिए एक ही उपाय सूझा वह था सरस्वती कवच। इसके लिये मैंने श्रीमालीजी के कार्यलय में फोन कर सरस्वती कवच का ऑर्डर कर दिया। कवच मिलते ही मैंने अपने लड़के के गले में धारण करवा दिया। सरस्वती कवच के प्रभाव से उसकी दिनचर्या बदलने लगी। शरारतें तो ज्यादा कुछ कम नहीं हुई लेकिन उसका ध्यान अपने आप ही पढ़ाई की तरफ खिंचने लगा। वह अपना ज्यादा समय पढ़ाई में बिताने लगा। थोड़ी देर ही खेलता। वह अपने समय का पाबंद बनता जा रहा था। वाकई इस कवच ने तो कमाल ही कर दिया। मेरे कुछ कहने करने से पहले ही अपना प्रभाव दिखा दिया। पूज्य श्रीमालीजी आपका लाख-लाख धन्यवाद कि आपके सहयोग से मेरा कार्य सिद्ध हुआ।

मनोज गुप्ता, (देहरादून, उत्तराखण्ड)

नवनिधिपति कुबेर कवच धारण करने से व्यापार में आशातीत लाभ मिला

परम पूज्य गुरुदेव कमल श्रीमालीजी को सादर नमस्कार। मेरा इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट का बिजनस है। अभी कुछ महीनों से शेयरों में आई गिरावट से मेरा बिजनस एकदम ठप्प सा पड़ गया था। इसकी वजह से मैं बहुत परेशान रहने लग गया था। मैं अपने इस व्यवसाय में तरक्की करना चाहता था लेकिन धंधें में आई गिरावट की वजह से मुझे कुछ रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था। लाख कोशिश करने के बावजूद ग्राहक व पार्टियां मुझसे जुड़ नहीं रही थी। इसी कोशिश के तहत एक बार मैंने आपका यू-ट्यूब पर प्रोग्राम देखा उसमें आप नवनिधिपति कुबेर कवच के बारे में बता रहे थे। कवच के बारे में जानकर मुझे यह कवच उचित लगा। मैंने इसके लिए घर पर अपनी पत्नी से भी चर्चा की और आपकी सलाह के बाद यह कवच बनवाने का निर्णय लिया और इस कवच को बनवाने के लिए आपके कार्यालय के दूरभाष नम्बर पर सम्पर्क किया और कवच बनवाने के लिए आवश्यक जानकारी नोट करवा दी और ऑर्डर करने के बाद कवच के पैसे श्रीमालीजी के बैंक एकाऊन्ट में जमा करवा दिये। कवच शुभ मुहूर्त्त में बनकर मेरे पास आ गया। कवच के साथ कवच

धारण करने की विधि भी दे रखी थी। उसी विधि के अनुसार मैंने कवच को धारण कर लिया। कवच धारण करने के दो महीने तक तो मेरी स्थिति पहले जैसी ही बनी रही। तभी एक दिन मेरी मुलाकात मेरे अपने एक मित्र से हुई और मैंने अपने व्यवसाय से उसे अवगत कराया। मेरे मित्र ने मुझसे कहा कि मेरे नजर में एक पार्टी है और वो आऊट ऑफ इंडिया से है उससे बात कर मैं तुमको बताता हूँ। कुद दिनों के बाद उसका मेरे पास फोन आया और उसने कहा कि मैंने पार्टी से बात की है और उस पार्टी ने सैम्पल के तौर पर माल भेजने का कहा है। अगर वो माल पार्टी को पसन्द आ जाता है तो तेरी जिन्दगी संवर जायेगी। पार्टी बहुत अच्छी है। तुमको बराबर उसका ऑर्डर मिलता रहेगा। मैंने भी उसकी बात सुनकर उसको कहा कि तुम पार्टी का एड्रेस सेंड करो, मैं उनको तुरन्त ही सैम्पल भेजने की व्यवस्था करता हूँ। फिर मैंने मेरे मित्र द्वारा बताये ऐड्रेस पर माल का सैम्पल भेज दिया। कुछ दिनों बार पार्टी का फोन आया। उनको माल पसन्द आ गया था और बहुत ही बड़ा ऑर्डर दिया। यह सुनकर मैं बहुत ही खुश हुआ। मैंने इस ऑर्डर के लिए जी-जान लगी दी और जल्दी माल भेजने की व्यवस्था की। मेरे सही समय पर माल भेजने के वजह से पार्टी बहुत खुश हुई और माल नियमित भेजने का मुझे बहुत बड़ा कॉन्ट्रेक्ट मिल गया। इन कॉन्ट्रेक्ट की वजह से मुझे बहुत मुनाफा मिला। आज मेरा व्यवसाय दिन-दुगुनी और रात चौगुनी तरक्की पर है। भगवान का लाख-लाख शुक्र है आज मैं सुखी व समृद्ध व्यवसायी हूँ। इन सब तरक्की के लिए हम गुरुदेव कमल श्रीमालीजी के बहुत आभारी है। उनके बनाये गये कवच के माध्यम से आज मैं बहुत खुशहाल बना हूँ। गुरुजी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

साकेत अग्रवाल, अमृतसर (पंजाब)

अक्षय लक्ष्मी कुबेर कलश की स्थापना से घर की सुख-समृद्धि लौटी

आदरणीय गुरुजी मेरे और मेरे पूरे परिवार की ओर से दण्डवत प्रणाम। हम चण्डीगढ़ के रहने वाले हैं। मेरा नाम कंचन है। मेरे घर में सास-ससुर, देवर और एक नन्द है। देवर पढ़ाई कर रहा है और नन्द की जल्दी ही शादी करनी है और सुसरजी आर्मी में थे, बीमार रहने के कारण रिटायमेंट ले चुके हैं। उनका स्वास्थ्य सही नहीं रहता है और मेरे पति घर में अकेले काम करने वाले हैं। सारी जिम्मेदारी उन्हीं के उपर है। मेरे पति के रेडिमेड गारमेंट की शॉप है। जो हमने किराये पर ली हुई है। जिसमें भी कुछ खास इनकम नहीं है। जिसकी वजह से मेरे पति बहुत ज्यादा परेशान रहते थे क्योंकि पूरे घर को देखना पड़ता था। देवर बाहर हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता था। उसे भी पैसे भेजने होते थे। इधर ससुरजी को आये दिन डॉक्टर के पास ले जाना पड़ता था। हम दोनों को समझ नहीं आ रहा था कि करे तो क्या करें। जिससे हमारे घर की सारी परेशानी खत्म हो जाये। कर्ज भी होता जा रहा था। कुछ समझ में नहीं आ रहा था। तभी अचानक एक दिन मेरे पति अपनी शॉप का माल लेने बाहर जा रहे थे तो इन्हें स्टेशन पर एक व्यक्ति मिला, वो भी अपने काम से जा रहा था। सफर के दौरान इनमें अच्छी दोस्ती हो गई थी। उसी बीच उस व्यक्ति के पास विश्व तंत्र ज्योतिष की बुक थी, जो वो पढ़ने लगा। उसने अपने पास से दूसरी बुक मेरे पति को पढ़ने के लिये दी। मेरे पति ने भी वह बुक पढ़ी जिसमें दूसरे पेज पर ही अक्षय लक्ष्मी कुबेर कलश के बारे में दे रखा था। मेरे पति ने इस बुक और इस बुक के कलश के बारे में पूछा तो उसने गुरुदेव पं. कमल श्रीमालीजी के बारे में बताया तथा कहा कि इस कलश की स्थापना से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है और साथ ही हर तरह की परेशानी और दिक्कतो का भी नाश होता है। उस व्यक्ति की बातें सुनकर मेरे पति को उम्मीद की किरण दिखाई दी। मेरे पति ने उस व्यक्ति को अपनी परेशानी बताई तो तब उन्होंने भी श्रीमालीजी से एक बार बात करने को बोला। जब मेरे पति घर आये तो उन्होंने मुझे यह सारी बातें बताई और वह बुक भी बताई तो मुझे भी यह कलश अच्छा लगा। उसके बाद मेरे पति ने जोधपुर कार्यालय में फोन किया और हमने अपनी समस्या बताई और मैंने कहा इसके लिये यह कलश उचित रहेगा तब उन्होंने भी इस कलश के बारे में जानकारी दी। तब मैंने इस कलश का ऑर्डर कर दिया। कुछ दिन बाद कलश हमारे घर पर पहुंच गया। दीपावली के दिन कलश की दी गई सामग्री को साथ में दी हुई विधि के अनुसार पूजा की और सारी सामग्री का उपयोग किया। सिर्फ 15 दिन ही हुए थे कि मेरे पति की शॉप अच्छी चलने लग गई थी। अचानक हुए बदलाव का कारण हम जल्द ही समझ गये थे। अच्छी लक्ष्मी की आवक होने लगी। इसी के साथ ही हमने हमारी स्वयं की शॉप खरीद ली। जिससे किराये का झंझट खत्म हो गया। शॉप से अच्छी खासी हमारी इनकम होने लगी। मैं इन सब के लिए गुरुजी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ। मैं इस पत्र के माध्यम से आप सभी पाठकों को अवगत कराना चाहती हूं कि जिस परेशानी से हमे गुजरना पड़ा उस तरह और किसी को ना गुजरना पड़े। एक बार इस कलश की स्थापना करके अवश्य लाभ उठायें।

''गोमती चक्र मुद्रिका/पैंडल''

रोग मुक्ति, शत्रु नाश, नौकरी, उन्नत्ति, दाम्पत्य सुख, व्यापार वृद्धि में सहायक

जीवन में हमें अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कुछ परेशानियां स्वयं ही समाप्त हो जाती हैं जबकि कुछ समस्याओं के निदान के लिए विशेष प्रयास करने पड़ते हैं। तंत्र शास्त्र के माध्यम से जीवन की कई समस्याओं का निदान किया जा सकता है। गोमती चक्र एक ऐसी दुर्लभ वस्तु है और आसानी से प्राप्त नहीं होती। जिसका उपयोग तंत्र क्रियाओं में किया जाता है। यह बहुत ही साधारण सा दिखने वाला पत्थर है लेकिन यह बहुत प्रभावशाली है। गोमती चक्र धारण करने से मानसिक शांति, रोग और भय से मुक्ति, दरिद्रता से मुक्ति, कोर्ट-कचहरी के मामलों में राहत, भूत-प्रेत बाधा, शत्रु पीड़ा, दाम्पत्य सुख, संतान प्राप्ति और खास कर धन संचय में इसकी सिद्धि के विषय में अनेको मत-मतान्तर देखे जाते हैं। कुछ इसे स्वयं सिद्ध बताते हैं तो कही इसकी सिद्धि के निर्देश मिलते हैं। होली, दीपावली, नवरात्रि आदि प्रमुख त्यौहारों पर गोमती चक्र की विशेष पूजा की जाती है। अन्य विभिन्न मुहूर्त्तो के अवसर पर भी इनकी पूजा लाभदायक मानी जाती है जैसे-गुरुपुष्य, सर्वार्थसिद्धि योग तथा रविपुष्य योग पर इनकी पूजा करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है- खासकर मारण, सम्मोहन, वशीकरण, स्तम्भन, उच्चाटन जैसे प्रयोग में और व्यापार वृद्धि, अचल-स्थिर लक्ष्मी, शत्रु भय, पीड़ा, देह व्याधि, दुस्वप्न जैसे विषयों में इसका प्रयोग अत्यंत प्रभाव से देखा गया है, लेकिन अभिमंत्रित करने से गोमती चक्र का प्रभाव सौ गुना बढ़ जाता है।

गोमती चक्र न्यौछावर-2100/-अंगूठी, लॉकेट-1500/-

सम्पर्क करें:- **विश्व तंत्र ज्योतिष**

प्लॉट नं.-1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज मैन गेट के पास, जोधपुर-342001 (राज.)
0291-2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्स : 0291-2618625
Email : tantravtj@yahoo.co.in Visit us : www.fameandfortune.org

आप सीधे ही 'विश्व तंत्र-ज्योतिष' के बैंक एकाउन्ट में भी पैसा जमा करवा सकते हैं।
आपकी सुविधा के लिये बैंक एकाउन्ट नम्बर इस प्रकार हैं
STATE BANK OF INDIA A/C NO. 100-563-410-66
(All Amount Payble at Jodhpur Account)